Title : Regarding extensive loss of lives and property due to heavy rains in Mumbai, Goa and Konkan.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रत्नागिरि) : अध्यक्ष जी, पिछले तीन दिन से हुई भारी वर्षा के कारण मुम्बई, ठाणे, पूरा कोंकण क्षेत्र, मराठ्वाड़ा के कुछ जिले और सारा गोवा राज्य तबाही के मंजर से जूझ रहा है। पिछले तीन दिनों से इन क्षेत्रों में सारे नेशनल हाइवेज बंद हैं और उन पर बने हुए कई ब्रिज टूट गए हैं। इसके अलावा इन क्षेत्रों में रेल सेवा बंद है, क्योंकि सारा ट्रैक पानी में बह गया है। इसके अलावा पिछले तीन दिन से इन क्षेत्रों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह से ठप है और संचार व्यवस्था भी काम नहीं कर रही है। यहां तक कि एयरपोर्ट भी बंद हैं। मतलब यह है कि संचार और आवागमन की सारी सुविधाएं इन क्षेत्रों में बंद हो चुकी हैं और शेष दुनिया से इनका सम्पर्क टूट गया है। बारिश से इन क्षेत्रों में भयंकर तबाही मची हुई है। हमें जो थोड़ी-बहुत जानकारी मिल पाई है उसके मुताबिक मुम्बई को छोड़ कर ठाणे और कोंकण के क्षेत्र में एक हजार से ज्यादा लोगों की मृत्यु हो चुकी है। पूरी जानकारी मिलने पर शायद यह आंकड़ा कई गुना बढ़ सकता है।

पिछले तीन दिनों से कई शहर पूरी तरह से पानी में डूबे हुए हैं। मुम्बई के नजदीक थाणे का बदलापुर है, रायगढ़ डिस्ट्रिक्ट में महाड़, पनवैल, पेण शहर है और रत्नागिरी का खेड, राजापुर, चिपलून आदि सारे शहर तीन दिनों से पानी में डूबे हुए हैं। अभी भी 12 फुट से ज्यादा पानी शहर में कायम है। मुम्बई की जो स्थिति है वह मैं सदन के सामने रख रहा हूं। जान और माल की हानि वहां बहुत हुई है। मुझे लगता है कि वहां जो सम्पत्ति की हानि हुई है वह लगभग 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की हुई है। किसान पूरे तबाह हो चुके हैं। हमारे धान और पैडी की खेती पूरी तरह से तबाह हो चुकी है। ऐसी हालत में संचार और यातायात खत्म हो चुका है और राज्य सरकार कहीं भी नहीं पहुंच पा रही है। तीन हैलीकोप्टर्स राज्य सरकार ने दिये हैं जिनसे हवाई सर्वेक्षण किया जा रहा है। राज्य सरकार कोई सहायता नहीं कर पा रही है। हम जानते हैं कि जब देश के किसी भी भाग में प्राकृतिक आपदा आती है तो मुम्बई से सबसे पहले मदद मिलती है, लेकिन आज खुद मुम्बई शहर पूरा का पूरा पानी में डूब चुका है और अब मुम्बई को मदद की आवश्यकता है। इसलिए मैं भारत सरकार से और विशेष कर माननीय प्रधान मंत्री जी से आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जल्दी से जल्दी महाराट्र सरकार को मदद करें। महाराट्र को इस समय कम से कम 5 हजार करोड़ रुपये राहत के रूप में तुरंत देने की आवश्यकता है और माननीय प्रधान मंत्री जी को मुम्बई विजिट करने की भी आवश्यकता है। आपसे प्रार्थना है कि संसद सदस्यों की एक समिति गठित की जाए और वह समिति पूरे प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करे और वहां की आवश्यकता को देखे। मेरे क्षेत्र में जो महाड़ तहसील है वहां जो दासगांव गांव है वहां लैंड-स्लाइड हो गया है और पूरे गांव के गांव बह गये हैं और वहां कुछ ढूंढने पर भी नहीं मिल रहा है। दूसरा, जुई गांव में लैंड-स्लाइड के कारण पूरा गांव का गांव बह गया है। संचार के साधन वहां नहीं पहुंच पा रहे हैं। जहाज मुम्बई नहीं जा पा रहे हैं। मैंने जब अपने घर फोन किया तो मेरी पत्नी रो रही थी। घर में पानी घुस रहा था । मैंने उससे कहा कि आप तीसरी मंजिल की टैरिस पर चले जाओ। यह स्थिति केवल मेरे ही घर की नहीं है बल्कि वहां पर सारे घरों की यही स्थिति है। झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वालों की स्थिति तो इससे भी बुरी है। गांव के गांव बह गये हैं। मैंने आपसे प्रार्थना की है कि इस मैटर को जनरल डिस्क्शन में न लेते हुए माननीय प्रधान मंत्री जी स्वयं वहां जाएं। एक और प्रार्थना है कि आप महाराट्र सरकार से जानकारी लेकर वहां की जो स्थिति है उसका ब्यान सदन में हो। हमारा सत्र चल रहा है, इसलिए कम से कम पांच हजार करोड़ रुपये की सहायता वहां के लिए, भारत सरकार द्वारा तुरंत घोषित की जाए। भारत सरकार से एक और प्रार्थना है कि हमारी सेना महाराट्र सरकार की इस आपदा में मदद करे। वहां सड़कें, रेलें, हवाई जहाज सब बंद हैं। कहीं कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। आज मुम्बई रो रही है और मुम्बई के आंसुओं को नजर-अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। कोंकण, गोवा सब तबाह हो चुके हैं और मराठ्वाडा में लोग अपने घरों को छोड़कर पहाड़ों पर चले गये हैं। वहां की सारी नदियों में बाढ़ आ गयी है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए महाराट्र को तुरंत राहत देने की आवश्यकता है। केन्द्र सरकार इस ओर तुरंत ध्यान दे।

*m02

श्री रामदास आठ्वले (पंढरपुर) : रायगढ़, कोंकण में सब जगह हालत खराब है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने माननीय शरद पवार जी को वहां भेजा है और माननीय प्रधान मंत्री जी ने वायदा किया है कि वे महाराट्र को ज्यादा से ज्यादा मदद देने वाले हैं।

MR. SPEAKER: Mr. Ramdas Athawale, you can associate with this. I believe the entire House is seriously concerned about this situation.

MR. SPEAKER: I would request the senior hon. Ministers who are present hereâ€¦

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. Please cooperate.

...(*Interruptions*)

SHRI N.N. KRISHNADAS (PALGHAT): Sir, I would also like to raise an issue regarding my constituency...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: We are now discussing Mumbai. You do it later on. You have a proper discussion before the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please cooperate with the Chair. This is very unfortunate.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Thomas, please take your seat. I am requesting the hon. Ministers who are present here and I am sure they are aware of this and they will take necessary action as the situation demands.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Krishnadas, there is a discussion today. It has already started. This is being moved by your leader. If you want to speak you can speak on that. Every State cannot raise the issue. Do not dilute the importance of Maharashtra because of its seriousness.

...(*Interruptions*)

SHRI N.N. KRISHNADAS : Sir, my constituency is also badly affected.

MR. SPEAKER: I know that. You will make your submission when the opportunity comes. Give up this habit of interrupting the proceedings.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: Nobody else's statement will be recorded and do not stand up when I am on my legs.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: I am trying to help all of you. This is a national concern. It is very unfortunate. The whole country is seeing. I have allowed him to raise it.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Krishnadas, I am very sorry, I can only express my great sorrow.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Except Shri Prabhunath Singh's statement nothing else will be recorded.

* Not Recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: I am trying to accommodate everybody.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, उधर की आवाज इधर आ रही है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः उनका गला तो दबा नहीं सकते हैं। Ignore him and say whatever you like to say.